THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF IRRIGATION (SHRI RAM NIWAS MIRDHA): The cost of repairs to the breach in Bhakra Main Canal of 6th June, 1984 is reported by Punjab as about Rs. 1.5 crores. The concerned State Governments have not reported expenditure incurred on making provsion for drinking water as a result of the breach. The Government of Haryana have, however, informed that the loss incurred on account of damage to crops in the State is of an order of about Rs. 113 crores.

Damage to Chittaranjan Seva Sadan

347. SHRI LAL K. ADVANI: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether it a fact that portions of Chittaranjan Seva Sadan building in Calcutta have been seriously damaged because of construction work on Metro Railway on Asutosh Mukherjee Road; and

(b) what steps are being taken to repair to damages?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI A. B. A. GHANI KHAN CHOUDHURY): (a) Some damages of minor nature have occurred to Chittaranjan Seva Sadan.

(b) The repairs will be undertaken by the Public Works Department of the West Bengal Government for which necessary funds will be made available by the Railways to the CMDA.

रेल माल-भाड़े की चोरी

348. **श्री सत्य प्रकाश मालवीय :** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि उत्तर रेलवे के सतर्कता विभाग ने जून, 1984 के अंतिम सप्ताह में लगभग 40 लाख रुपए के रेल माल-भाड़े की चोरी के एक मामले का पता लगाया था ;

(ख) यदि हां, तो दोषी व्यक्तियों के विरुद्ध क्या कार्यवाही की गई है और उनमें से कितने व्यक्तियों को दंड दिया गया है तथा यदि उनके विरुद्ध पहले से कार्यवाही नहीं की गई है तो विलम्ब के क्या कारण हैं ; और

(ग) सरकार ने इतने बड़े पैमाने पर रेल माल भाड़े की चोरी को रोकने के लिए क्या ठोस कदम उठाए हैं तथा उनका ब्यौरा क्या है ?

रेल मंत्री (श्री ए० बी० ए० गनी खान चौधरी) : (क) जी हां, लेकिन इसका पता रेल मंत्रालय के सतर्कता निदेशालय द्वारा लगाया गया था ।

(ख) अभी जांच-पड़ताल जारी है ।

(ग) किये गये उपाय इस प्रकार हैं :—

1. माल डिब्बों का वजन करने से संबंधित मौजूदा अनुदेशों को दोहराना ;

2. अतिलदान होने पर मौजूदा दंड प्रावधान को दृढ़ता से लागू करना,

3. अतिलदान को रोकने के लिए मालडिब्बों में लदान की लाइनें निर्धारित करना ;

4. महत्वपूर्ण लदान स्थलों पर इलेक्ट्रानिक तुला चौकियों की व्यवस्था के प्रस्ताव ; और

5. अतिलदान के मामलों का पता लगाने के लिए अचानक जांच ।

Private Railway Companies

349. SHRI S. W. DHABE:
SHRI SURESH KALMADI:

Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) what is the number of private Railway companies which are still operating in the country and what was their annual income during the last three years; and

(b) whether Government propose to nationalise these companies, if so, what are the details thereof?